Anti Drug Cell

समिति गठन
वार्षिक गतिविधि रिपोर्ट
शैक्षणिक वर्ष: 2024–2025
संस्थान: राजकीय महाविद्यालय मुवानी, पिथौरागढ़

एंटी ड्रग समिति का संक्षिप्त परिचय

महाविद्यालय में संचालित एंटी ड्रग समिति का उद्देश्य विद्यार्थियों और समाज में मादक पदार्थों के दुरुपयोग के प्रति जागरूकता फैलाना और इसके नकारात्मक प्रभावों से बचाव करना है। इस समिति का कार्य मादक पदार्थों के सेवन के खिलाफ अभियानों का संचालन, जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन, और छात्रों को सही दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करना है। समिति महाविद्यालय में सेमिनार, कार्यशालाएँ और जन जागरूकता अभियान आयोजित करती है, ताकि युवा वर्ग को नशे की लत से बचाया जा सके। यह समिति नशे से मुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके अलावा, यह समिति विद्यार्थियों को परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन भी प्रदान करती है, जिससे वे अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकें।

उद्देश्य

- ✓ **मादक पदार्थों के दुरुपयोग के प्रति जागरूकता फैलाना** – विद्यार्थियों में नशे के खतरों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना और इसके नकारात्मक प्रभावों को समझाना।
- ✓ **स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना** – विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए प्रेरित करना।
- ✓ **नशा मुक्त वातावरण निर्माण** – महाविद्यालयों में एक नशा मुक्त वातावरण सुनिश्चित करना, ताकि छात्रों को नशे की लत से बचाया जा सके।
- ✓ **परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करना** – नशे की लत से जूझ रहे छात्रों को परामर्श और सहायता देना, ताकि वे अपने जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ा सकें।
- ✓ **समाज में सकारात्मक बदलाव लाना** – छात्रों को नशे के प्रभावों से बचाकर समाज में सकारात्मक और स्वस्थ परिवर्तन लाना।

- ✓ **सामाजिक अभियानों का संचालन** – जागरूकता अभियानों, सेमिनारों, कार्यशालाओं के माध्यम से समाज में नशे के खिलाफ आंदोलन चलाना और इससे होने वाले नुकसान पर प्रकाश डालना।
- ✓ **मनोरंजन और गतिविधियों के माध्यम से नशे से बचाव** – विद्यार्थियों को नशे से दूर रखने के लिए खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना।

समिति के उत्तरदायित्व

- ➢ **जागरूकता अभियानों का आयोजन** – समिति का मुख्य उत्तरदायित्व महाविद्यालय में नियमित रूप से नशे के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता अभियानों, सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन करना है, ताकि विद्यार्थियों को इसके खतरों के बारे में जानकारी मिल सके।
- ➢ **मदद और परामर्श प्रदान करना** – समिति का एक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व नशे के आदी छात्रों को सहायता और मानसिक स्वास्थ्य परामर्श प्रदान करना है, जिससे वे नशे की लत से बाहर आ सकें।
- ➢ **नशे से बचने के उपायों का प्रचार** – समिति नशे से बचने के प्रभावी उपायों का प्रचार करती है, जैसे स्वास्थ्यवर्धक आदतों को अपनाना, नियमित खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेना, और सकारात्मक मानसिकता का निर्माण करना।
- ➢ **नशा मुक्त वातावरण का निर्माण** – समिति महाविद्यालयों में नशा मुक्त वातावरण बनाए रखने का उत्तरदायित्व निभाती है, ताकि छात्र बिना किसी दबाव के अपने शैक्षणिक और सामाजिक जीवन को सृजनात्मक रूप से जी सकें।
- ➢ **नशे के बारे में डेटा संग्रह और विश्लेषण** – समिति नशे के प्रयोग और इसके प्रभावों पर डेटा संग्रह करती है और उसके आधार पर नीतियों और योजनाओं को सुधारने के लिए सिफारिशें देती है।
- ➢ **समुदाय और संस्थान के साथ मिलकर कार्य करना** – समिति स्थानीय समुदाय, पुलिस और अन्य संस्थानों के साथ मिलकर नशे से बचाव और जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्य करती है। यह सामूहिक प्रयास नशे के दुरुपयोग के खिलाफ एक मजबूत और समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है।

एंटी ड्रग समिति का गठन

गठन तिथि: 20 अगस्त 2024-25

क्रम सं०	नोडल अधिकारी का नाम	मोबाइल नम्बर
1.	डॉ० रूपेश कुमार	9756774213

क्रम सं०	एंटी ड्रग सेल समिति के सदस्य के नाम	पदनाम	मोबाइल नम्बर
1.	श्री राजकमल किशोर, सदस्य	असि०प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान	9690407741
2.	डॉ संजीव कुमार, सदस्य	असि०प्रोफेसर, अंग्रेजी	9458155289
3.	डॉ सुधीर कुमार, सदस्य	असि०प्रोफेसर, समाजशास्त्र	9897983642
4.	डॉ नीमा जोशी, सदस्य	अतिथि शिक्षिका, संस्कृत	7533985307
5.	श्रीमती भावना, सदस्य	अतिथि शिक्षिका, अर्थशास्त्र	9759554942
6.	डॉ त्रिभुवन जोशी	प्रधान चिकित्सक राजकीय , चिकित्सालय, दिगडा मुवानी	9568296747
7.	श्री अमर जीत राम	अध्यक्ष व्यापार मण्डल, मुवानी	9756876974
8.	श्री संजय भट्ट	स्थानीय पत्रकार मुवानी ,	7252829088
9.	प्रिया ठगुराठी (सदस्य)	विद्यार्थी	8393942124
10.	भरत गंगवार (सदस्य)	विद्यार्थी	7351898251
11.	कमल कुमार (सदस्य)	विद्यार्थी	9568306251
12.	बबिता(सदस्य)	विद्यार्थी	9058260321
13.	गौरव लापड़ (सदस्य)	विद्यार्थी	9105686974
14.	कमलेश कुमार (सदस्य)	विद्यार्थी	7351358542
15.	वर्तिका पंत (सदस्य)	विद्यार्थी	9027958531
16.	विनय चौहान	विद्यार्थी	7895653621
17.	मोनिका चौसाली	विद्यार्थी	9917282894
18.	गीता	विद्यार्थी	7668843861
19.	गौरव कार्की	विद्यार्थी	9760025824
20.	रितेश कुमार	विद्यार्थी	8395872818
21.	रवि सामंत	विद्यार्थी	7830547061
22.	राहुल प्रसाद	विद्यार्थी	8393968251
23.	रोहित सिंह रावत	विद्यार्थी	8433233173

24.	कपिल कुमार	विद्यार्थी	7900331470
25.	बानी चन्द	विद्यार्थी	8191083704

समिति को सर्वसम्मति से समावेशी और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए गठित किया गया।

प्रतिहस्ताक्षरित

प्रो०, डॉ०गिरीश चन्द्र पन्त
प्राचार्य एवं संरक्षक
राजकीय महाविद्यालय मुवानी
(पिथौरागढ़)

डॉ० रुपेश कुमार
नोडल अधिकारी, एंटी ड्रग समिति
एवं
विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग
राजकीय महाविद्यालय मुवानी
(पिथौरागढ़)

समिति द्वारा आयोजित गतिविधियों का विवरण
शैक्षणिक वर्ष: 2024–2025

गतिविधि 1: **जागरूकता अभियान**
मुख्य शीर्षक: **"नशा मुक्त उत्तराखण्ड"**

- **संयोजक:** **डॉ० रुपेश कुमार**
- दिनांक: 08 अगस्त 2024
- प्रकृति: शैक्षणिक और जन-जागरूकता
- सह-आयोजक: कोई नहीं
- स्थान: महाविद्यालय सभागार
- प्रतिभागी संख्या: 78 (विविध)

उद्देश्य:

❖ स्वस्थ, सकारात्मक एवं संस्कारयुक्त जीवन-शैली को बढ़ावा देना।
❖ ड्रग फ्री देवभूमि अभियान में नागरिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना।
❖ क्षेत्र को नशा-मुक्त बनाने हेतु आम जनमानस में जागरूकता फैलाना।
❖ युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना।
❖ समाज में नशे के प्रति नकारात्मक मानसिकता विकसित करना।
❖ नशा तस्करी व अवैध बिक्री के विरुद्ध सामूहिक चेतना को सशक्त करना।

संक्षिप्त विवरण:

ड्रग फ्री देवभूमि कार्यक्रम के अन्तर्गत जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया, नशीले पदार्थों के चलन को महाविद्यालय अथवा स्थानीय क्षेत्रों ने प्रतिबन्धित करने के उद्देश्य से आयोजित इस जागरूकता अभियान में स्थानीय नागरिकों ने भी भाग लिया। जागरूकता अभियान के दौरान नशे के दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक किया गया और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही नशे की तस्करी और अवैध व्यापार के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता को भी प्रमुखता से उजागर किया गया। यह जागरूकता अभियान उत्तराखंड को एक स्वच्छ, नशामुक्त -और समृद्ध समाज बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

परिणाम:

- ✓ जागरूकता में वृद्धि: जागरूकता अभियान के माध्यम से समाज में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता बढ़ी और लोगों में नशा छोड़ने की प्रवृत्ति उत्पन्न हुई।
- ✓ युवाओं की सक्रिय भागीदारी: विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों में नशे के खिलाफ सकारात्मक मानसिकता और सक्रिय भागीदारी का माहौल बना।
- ✓ नशा तस्करी पर दबाव: जागरूकता अभियान ने नशा तस्करी और अवैध व्यापार के खिलाफ जन जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ सरकारी एवं समाजिक संस्थाओं पर दबाव डाला।
- ✓ स्वस्थ जीवन की ओर प्रवृत्त: जागरूकता अभियान ने लोगों को स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित किया और नशे से दूर रहने के लिए प्रेरणा दी।
- ✓ सामाजिक सहयोग में वृद्धि: जागरूकता अभियान ने समाज में नशा-मुक्त समाज की दिशा में सामूहिक सहयोग और एकजुटता को बढ़ावा दिया।
- ✓ स्थानीय प्रशासन की सक्रियता: जागरूकता अभियान के बाद स्थानीय प्रशासन ने नशे की रोकथाम के लिए और भी प्रभावी कदम उठाने का संकल्प लिया।

‘नशा मुक्त भारत अभियान’ के अन्तर्गत आयोजित ‘जागरूकता कार्यक्रम’ में विचार व्यक्त करती सुरक्षा अधिकारी, छात्र-छात्राएं, सुरक्षा दल एवं महाविद्यालय परिवार

गतिविधि 2: मैराथन प्रतियोगिता
मुख्य शीर्षक: "विकसित भारत का मंत्र, भारत हो नशे से मुक्त"

- **संयोजक:** **डॉ० रुपेश कुमार**
- **सह-संयोजक:** **श्री राजकमल किशोर, क्रीड़ा प्रभारी**
- दिनांक: 09 अगस्त 2024
- प्रकृति: शैक्षणिक, साहित्यिक और जन-जागरूकता
- स्थान: महाविद्यालय
- प्रतिभागी संख्या: 24 (विविध) कुल 49 विद्यार्थी

उद्देश्य:

❖ विद्यार्थियों एवं समाज में नशा मुक्त जीवन शैली के प्रति जागरूकता विकसित करना।
❖ शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझाते हुए खेलों के प्रति रुचि को बढ़ावा देना।
❖ युवाओं को नशे से दूर रखकर सकारात्मक ऊर्जा को खेल गतिविधियों की ओर प्रेरित करना।
❖ पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों में समान सहभागिता और आत्मविश्वास का विकास करना।
❖ अनुशासन, सहनशीलता एवं टीम भावना जैसे जीवन मूल्यों का संवर्धन करना।
❖ महाविद्यालय एवं समाज में स्वस्थ, सक्रिय और नशा मुक्त वातावरण का निर्माण।

संक्षिप्त विवरण:

महाविद्यालय की एंटी ड्रग समिति तथा क्रीड़ा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में पुरुष एवं महिला वर्ग की मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाना तथा स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना था। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और नशा मुक्त समाज का संदेश दिया। मैराथन के माध्यम से शारीरिक सुदृढ़ता, मानसिक संतुलन एवं अनुशासन का महत्व रेखांकित किया गया। यह आयोजन युवाओं को नशे से दूर रखते हुए खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करने में सफल रहा तथा महाविद्यालय परिसर में जागरूकता का प्रभावी वातावरण बना।

परिणाम:

✓ विद्यार्थियों में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

- ✓ पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं खेल भावना का विकास हुआ।
- ✓ छात्रों को नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की प्रेरणा मिली।
- ✓ युवाओं की सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास में वृद्धि देखने को मिली।
- ✓ महाविद्यालय परिसर में नशा मुक्त एवं अनुशासित वातावरण का सृजन हुआ।
- ✓ एंटी ड्रग समिति एवं क्रीड़ा विभाग के संयुक्त प्रयासों से सामाजिक सहभागिता और संगठनात्मक समन्वय मजबूत हुआ।

‘नशा मुक्त भारत अभियान’ के अन्तर्गत आयोजित ‘शपथ ग्रहण’ करते छात्र-छात्राएं एवं महाविद्यालय परिवार

‘नशा मुक्त भारत अभियान’ के अन्तर्गत आयोजित ‘शपथ ग्रहण’ करते छात्र-छात्राएं, सुरक्षा दल एवं महाविद्यालय परिवार

‘नशा मुक्त भारत अभियान’ के अन्तर्गत आयोजित ‘मैराथन प्रतियोगिता’ में प्रतिभाग करते मेधावियों को मैराथन प्रारम्भ करने हेतु हरी झण्डी दिखाते महाविद्यालय प्राचार्य

अमर उजाला

न्यूज डायरी 12 अगस्त 2024

मैराथन में प्रियांशु और रानी दौड़े सबसे तेज

मुवानी (पिथौरागढ़) । महाविद्यालय में क्रीड़ा विभाग ने एनएसएस के सहयोग से मैराथन का आयोजन किया। इस मौके पर सभी को नशा मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई। प्राचार्य डॉ. गिरीश चंद्र पंत ने कहा कि युवा पीढ़ीखेलों से जुड़कर नशे से दूर हो सकते हैं। क्रीड़ा और एनएसएस प्रभारी राजकमल किशोर ने बताया कि पुरुष वर्ग के लिए 10 और महिलाओं के लिए पांच किमी मैराथन का आयोजन थल-मुवानी-गोबराड़ी रोड पर किया गया। इ पुरुष वर्ग में प्रियांशु कुमार ने पहला, रोहित सिंह रावत ने दूसरा और अमित कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। महिलाओं में रानी, मनीषा मारकुना, बबीता क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहीं। संवाद

गतिविधि 3: निबन्ध एवं चित्रकला प्रतियोगिता
मुख्य शीर्षक: “नशे का सेवन, परिणाम और निदान”

- **संयोजक: डॉ० रुपेश कुमार**
- दिनांक: 21 सितम्बर 2024
- प्रकृति: शैक्षणिक, साहित्यिक और जन-जागरूकता
- सह-आयोजक: कोई नहीं
- स्थान: महाविद्यालय, हिन्दी विभाग
- प्रतिभागी संख्या: 41 (विविध)

उद्देश्य:

❖ विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर समाज में स्वस्थ जीवन-शैली का संदेश देना।

❖ युवाओं में नशा-मुक्त उत्तराखंड के निर्माण हेतु वैचारिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना।

❖ विद्यार्थियों की लेखन-क्षमता, तार्किक चिंतन एवं अभिव्यक्ति कौशल को सशक्त बनाना।

❖ नशे के विरुद्ध सकारात्मक सोच और आत्मनियंत्रण को बढ़ावा देना।

❖ महाविद्यालय परिसर को नशा-मुक्त वातावरण बनाने हेतु सक्रिय सहभागिता को प्रेरित करना।

संक्षिप्त विवरण:

नशा मुक्ति उत्तराखंड अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नशामुक्त समाज की आवश्यकता-, स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव तथा सामाजिकनैतिक मूल्यों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। निबंधों के - दिया और आत्मसंयम माध्यम से युवाओं ने नशे के विरुद्ध सशक्त संदेश, जागरूकता तथा सकारात्मक जीवनदृष्टि को अपनाने पर बल दिया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना एवं उत्तरदायित्वबोध - को सुदृढ़ करने में प्रभावी सिद्ध हुआ।

परिणाम:

✓ विद्यार्थियों में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

- ✓ नशा-मुक्त जीवन अपनाने के प्रति सकारात्मक सोच और आत्मसंयम की भावना विकसित हुई।
- ✓ विद्यार्थियों की वैचारिक स्पष्टता, लेखन-क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल में सुधार हुआ।
- ✓ महाविद्यालय परिसर में नशा-विरोधी वातावरण और सामूहिक चेतना को बल मिला।
- ✓ युवाओं में समाज और राज्य को नशा-मुक्त बनाने के प्रति उत्तरदायित्वबोध सुदृढ़ हुआ।

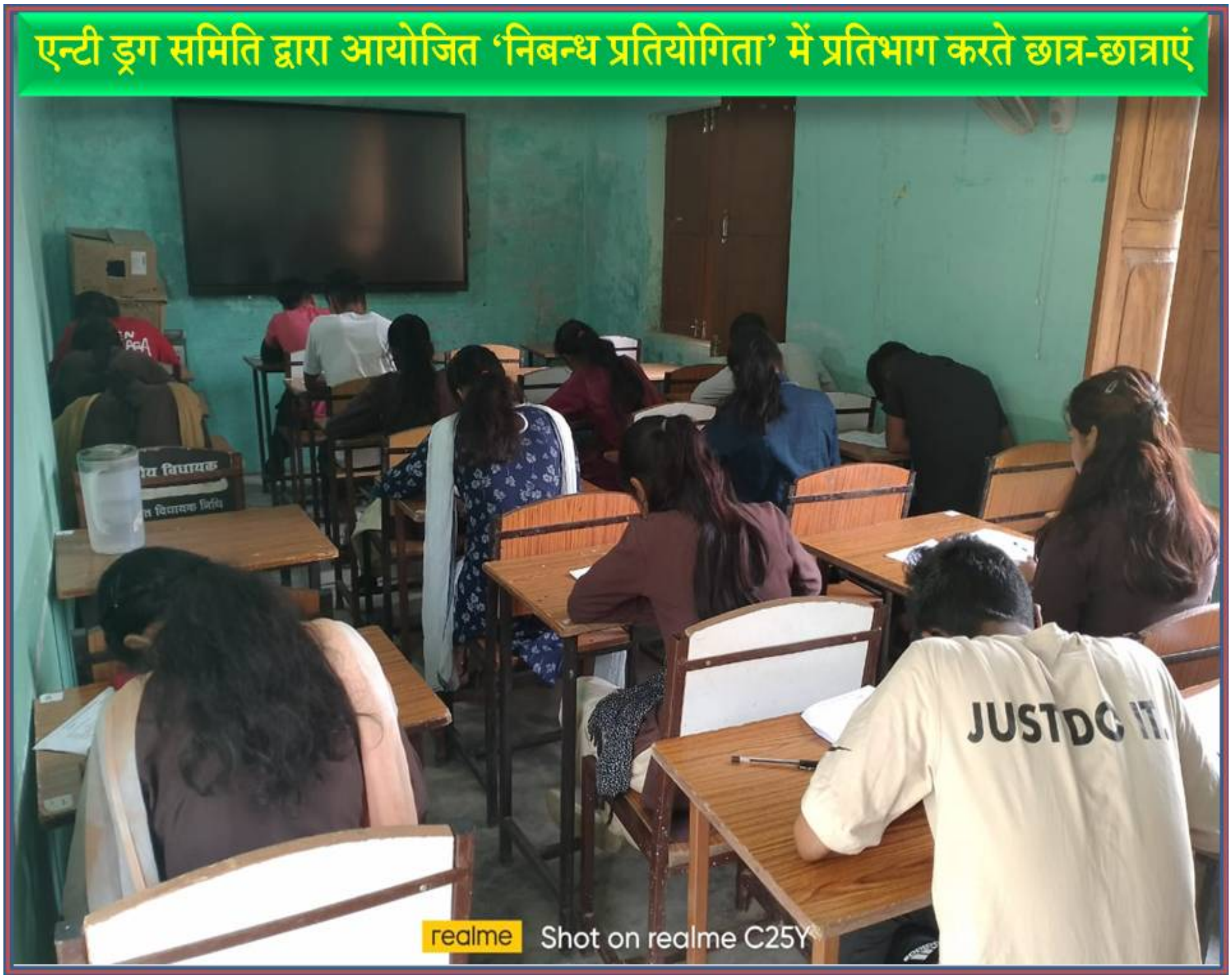

एन्टी ड्रग समिति द्वारा आयोजित 'निबन्ध प्रतियोगिता' में प्रतिभाग करते छात्र-छात्राएं

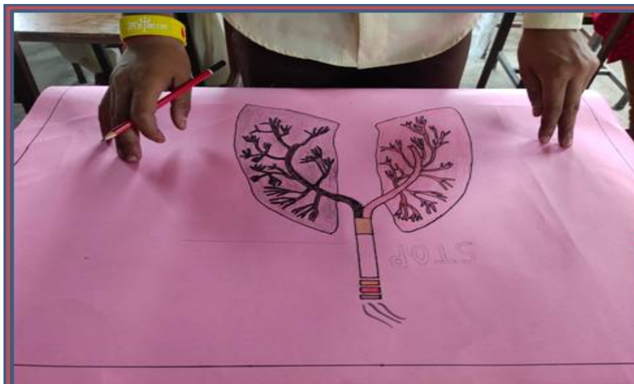

एन्टी ड्रग समिति द्वारा आयोजित 'चित्रकला प्रतियोगिता' में प्रतिभाग करते छात्र-छात्राएं

21 सितम्बर 2024

एन्टी ड्रग समिति द्वारा आयोजित 'चित्रकला प्रतियोगिता' में प्रतिभाग करते छात्र-छात्राएं

गतिविधि 4: स्वच्छता एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम
मुख्य शीर्षक: "स्वच्छ भारत, श्रेष्ठ भारत"

- **संयोजक: डॉ० रुपेश कुमार**
- दिनांक: 02 अक्टूबर 2024
- प्रकृति: शैक्षणिक और जन-जागरूकता
- सह-आयोजक: कोई नहीं
- स्थान: महाविद्यालय तथा ग्राम : मुवानी
- प्रतिभागी संख्या: 47 (विविध)

उद्देश्य:

- ❖ महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के स्वच्छता संबंधी विचारों और आदर्शों को विद्यार्थियों एवं समाज तक पहुँचाना।
- ❖ स्वच्छ भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के प्रति जनमानस में जागरूकता उत्पन्न करना।
- ❖ महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने की भावना विकसित करना।
- ❖ विद्यार्थियों में व्यक्तिगत एवं सामूहिक स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी का बोध कराना।
- ❖ स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने हेतु प्रेरित करना।
- ❖ स्वस्थ, स्वच्छ एवं जागरूक समाज के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना।

संक्षिप्त विवरण:

महाविद्यालय में 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत श्रेष्ठ भारत शीर्षक से स्वच्छतम जनजागरूकता कार्यक्रम का - आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति विद्यार्थियों एवं समाज में चेतना जाग्रत करना था। इस अवसर पर स्वच्छता शपथ, स्वच्छता संदेश, परिसर सफाई एवं जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गई। वक्ताओं ने गांधी जी के स्वच्छता दर्शन और शास्त्री जी के नैतिक मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए स्वच्छ, स्वस्थ एवं अनुशासित समाज की आवश्यकता पर बल दिया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

परिणाम:

- ✓ विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई।

- ✓ महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता का सकारात्मक वातावरण बना।
- ✓ गांधी जी एवं शास्त्री जी के विचारों के प्रति सम्मान एवं समझ विकसित हुई।
- ✓ विद्यार्थियों में सामाजिक दायित्व की भावना प्रबल हुई।
- ✓ स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने की प्रेरणा मिली।
- ✓ स्वच्छ भारत श्रेष्ठ भारत अभियान को सशक्त समर्थन प्राप्त हुआ।

एन्टी ड्रग समिति द्वारा आयोजित ‘जागरूकता रैली’ में प्रतिभागी छात्र-छात्राएं द्वारा जन-सामान्य को जागरूक किया गया

एन्टी ड्रग समिति द्वारा आयोजित ‘स्वच्छता अभियान’ में महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ किया गया

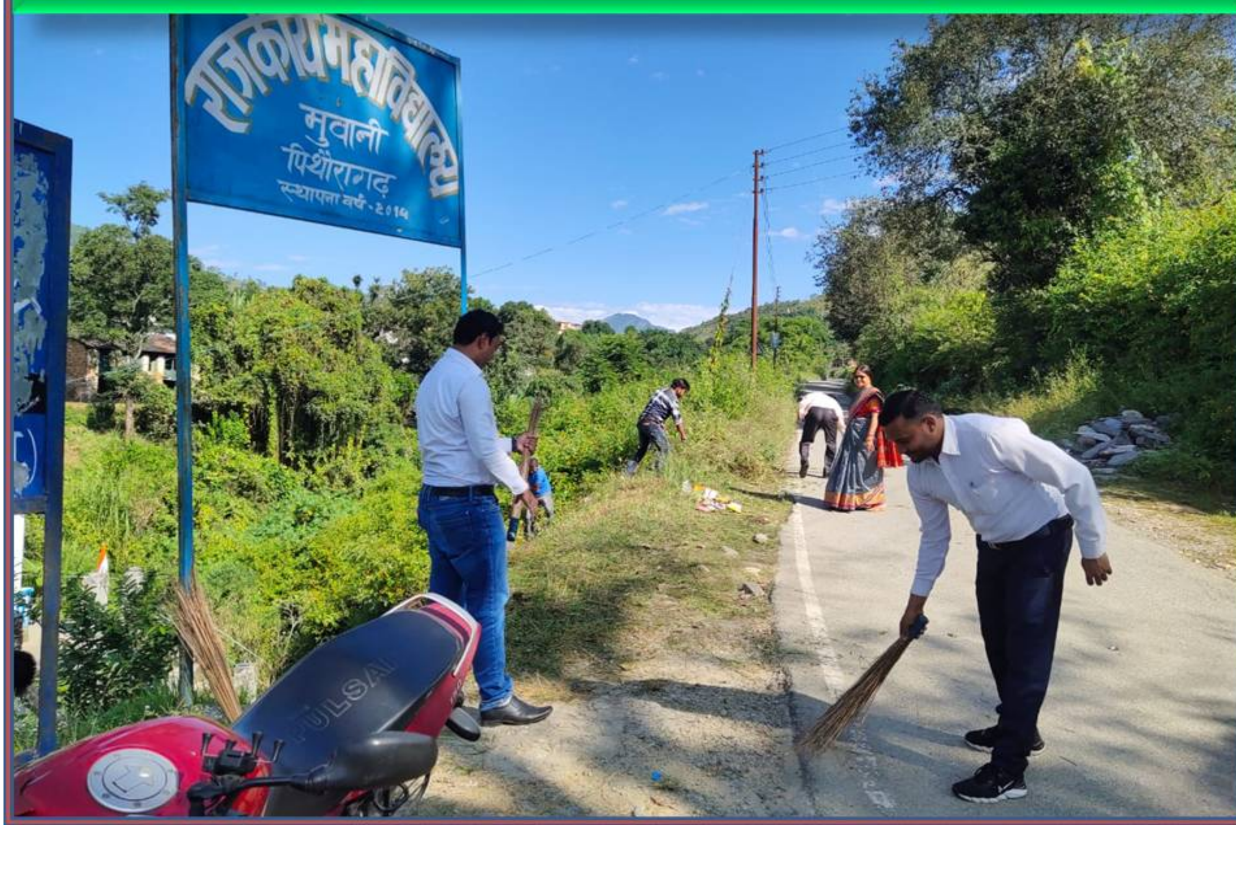

एन्टी ड्रग समिति द्वारा आयोजित 'स्वच्छता अभियान' में प्रतिभाग करते प्राचार्य महोदय के साथ प्राध्यापक-गण

एन्टी ड्रग समिति द्वारा आयोजित 'स्वच्छता अभियान' में प्रतिभागी छात्र-छात्राएं द्वारा की गयी वैकल्पिक जल-स्त्रोत की सफाई

गतिविधि 5: जागरूकता रैली
मुख्य शीर्षक: “ड्रग फ्री देवभूमि”

- **संयोजक: डॉ० रुपेश कुमार**
- दिनांक: 20 अक्टूबर 2024
- प्रकृति: शैक्षणिक और जन-जागरूकता
- सह-आयोजक: कोई नहीं
- स्थान: ग्राम : मुवानी और ग्राम : दिगडा
- प्रतिभागी संख्या: 47 (विविध)

उद्देश्य:

❖ क्षेत्र को नशा-मुक्त बनाने हेतु आम जनमानस में जागरूकता फैलाना।
❖ युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना।
❖ समाज में नशे के प्रति नकारात्मक मानसिकता विकसित करना।
❖ नशा तस्करी व अवैध बिक्री के विरुद्ध सामूहिक चेतना को सशक्त करना।
❖ स्वस्थ, सकारात्मक एवं संस्कारयुक्त जीवन-शैली को बढ़ावा देना।
❖ “ड्रग फ्री देवभूमि” अभियान में नागरिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना।

संक्षिप्त विवरण:

ड्रग फ्री देवभूमि कार्यक्रम के अन्तर्गत रैली का आयोजन किया गया, नशीले पदार्थों के चलन को महाविद्यालय अथवा स्थानीय क्षेत्रों ने प्रतिबन्धित करने के उद्देश्य से आयोजित इस रैली में स्थानीय नागरिकों ने भी भाग लिया। रैली के दौरान नशे के दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक किया गया और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही नशे की तस्करी और अवैध व्यापार के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता को भी प्रमुखता से उजागर किया गया। यह रैली उत्तराखंड को एक स्वच्छ, नशामुक्त और समृद्ध समाज बनाने की दिशा में एक महत्व-पूर्ण कदम साबित हुई।

परिणाम:

✓ जागरूकता में वृद्धि: रैली के माध्यम से समाज में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता बढ़ी और लोगों में नशा छोड़ने की प्रवृत्ति उत्पन्न हुई।

- ✓ युवाओं की सक्रिय भागीदारी: विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों में नशे के खिलाफ सकारात्मक मानसिकता और सक्रिय भागीदारी का माहौल बना।
- ✓ नशा तस्करी पर दबाव: रैली ने नशा तस्करी और अवैध व्यापार के खिलाफ जन जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ सरकारी एवं समाजिक संस्थाओं पर दबाव डाला।
- ✓ स्वस्थ जीवन की ओर प्रवृत्त: रैली ने लोगों को स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित किया और नशे से दूर रहने के लिए प्रेरणा दी।
- ✓ सामाजिक सहयोग में वृद्धि: रैली ने समाज में नशा-मुक्त समाज की दिशा में सामूहिक सहयोग और एकजुटता को बढ़ावा दिया।
- ✓ स्थानीय प्रशासन की सक्रियता: रैली के बाद स्थानीय प्रशासन ने नशे की रोकथाम के लिए और भी प्रभावी कदम उठाने का संकल्प लिया।

एन्टी ड्रग समिति द्वारा आयोजित 'जागरूकता रैली' में प्रतिभागी छात्र-छात्राएं के साथ महाविद्यालय परिवार

एन्टी ड्रग समिति द्वारा आयोजित 'जागरूकता रैली' में प्रतिभागी छात्र-छात्राएं के साथ महाविद्यालय परिवार

एन्टी ड्रग समिति द्वारा आयोजित 'जागरूकता रैली' में प्रतिभागी छात्र-छात्राएं के साथ महाविद्यालय परिवार ने स्थानीय निवासियों को जागरूक किया तथा 'एक पेड़ स्वस्थ्य जीवन के लिए का सन्देश दिया

गतिविधि 6: मैराथन प्रतियोगिता
मुख्य शीर्षक: "मिशन ड्रग फ्री कैम्पस"

- **संयोजक:** **डॉ० रुपेश कुमार**
- **सह-संयोजक:** **श्री राजकमल किशोर, क्रीड़ा प्रभारी**
- दिनांक: 01 जून 2025
- प्रकृति: शैक्षणिक, और जन-जागरूकता
- स्थान: महाविद्यालय
- प्रतिभागी संख्या: 24 (विविध) कुल 49 विद्यार्थी

उद्देश्य:

- ❖ विद्यार्थियों एवं समाज में नशा मुक्त जीवन शैली के प्रति जागरूकता विकसित करना।
- ❖ शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझाते हुए खेलों के प्रति रुचि को बढ़ावा देना।
- ❖ युवाओं को नशे से दूर रखकर सकारात्मक ऊर्जा को खेल गतिविधियों की ओर प्रेरित करना।
- ❖ पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों में समान सहभागिता और आत्मविश्वास का विकास करना।
- ❖ अनुशासन, सहनशीलता एवं टीम भावना जैसे जीवन मूल्यों का संवर्धन करना।
- ❖ महाविद्यालय एवं समाज में स्वस्थ, सक्रिय और नशा मुक्त वातावरण का निर्माण।

संक्षिप्त विवरण:

महाविद्यालय की एंटी ड्रग समिति तथा क्रीड़ा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में पुरुष एवं महिला वर्ग की मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाना तथा स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना था। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और नशा मुक्त समाज का संदेश दिया। मैराथन के माध्यम से शारीरिक सुदृढ़ता, मानसिक संतुलन एवं अनुशासन का महत्व रेखांकित किया गया। यह आयोजन युवाओं को नशे से दूर रखते हुए खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करने में सफल रहा तथा महाविद्यालय परिसर में जागरूकता का प्रभावी वातावरण बना।

परिणाम:

- ✓ विद्यार्थियों में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

- ✓ पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं खेल भावना का विकास हुआ।
- ✓ छात्रों को नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की प्रेरणा मिली।
- ✓ युवाओं की सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास में वृद्धि देखने को मिली।
- ✓ महाविद्यालय परिसर में नशा मुक्त एवं अनुशासित वातावरण का सृजन हुआ।
- ✓ एंटी ड्रग समिति एवं क्रीड़ा विभाग के संयुक्त प्रयासों से सामाजिक सहभागिता और संगठनात्मक समन्वय मजबूत हुआ।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित 'मिनी मैराथन' में प्रतिभाग करती छात्राओं को हरी झंडी दिखाते प्राचार्य महोदय

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित 'मिनी मैराथन' में प्रतिभाग करते छात्रों को हरी झंडी दिखाते प्राचार्य महोदय

अमर उजाला

02 जून 2025

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत हुई मिनी मैराथन

मुवानी (पिथौरागढ़)। राजकीय महाविद्यालय मुवानी में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. गिरीश चंद्र पंत ने हरी झंडी दिखाकर किया।

मैराथन पुरुष वर्ग के लिए पांच किलोमीटर और महिला वर्ग के लिए तीन किलोमीटर की रखी गई। मिनी मैराथन में मनीषा चंद, भावना खोलिया, मनीषा, विनीता सोनार, अंजना भट्ट, भावना, भावना सामंत, दिया भंडारी, बबीता, अनुष्का चंद, प्रिया बोनाल, दीक्षा आर्या, मनीषा रावत, प्रियांशु कोहली, कमलेश कुमार, गौरव कुमार, भारत गंगवार, रितेश कुमार, यश कुमार, दिनेश जोशी, आदि छात्र-छात्राओं ने प्रतिभा किया। विजेताओं को 15 अगस्त पर पुरस्कृत किया जाएगा। वहां क्रीड़ा प्रभारी राजकमल किशोर, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. नीमा जोशी, भावना, अलका जोशी आदि थे। संवाद

गतिविधि 7: महाविद्यालय स्तरीय चार्ट प्रतियोगिता
मुख्य शीर्षक: "स्वस्थ्य भारत, नशा मुक्त भारत"

- **संयोजक: डॉ० रुपेश कुमार**
- दिनांक: 09 जून – 10 जून 2025
- प्रकृति: शैक्षणिक, साहित्यिक और जन-जागरूकता
- स्थान: महाविद्यालय
- प्रतिभागी संख्या: 109 (विविध)

उद्देश्य:

- ❖ विद्यार्थियों में स्वस्थ भारत–नशा मुक्त भारत की संकल्पना के प्रति जागरूकता विकसित करना।
- ❖ नशीले पदार्थों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी सृजनात्मक माध्यम से देना।
- ❖ चार्ट प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति एवं अभिव्यक्ति क्षमता को प्रोत्साहित करना।
- ❖ युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना।
- ❖ समाज में नशा मुक्ति का सकारात्मक संदेश प्रसारित कर जन-जागरूकता को सुदृढ़ बनाना।
- ❖ महाविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता द्वारा नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी बनाना।

संक्षिप्त विवरण:

महाविद्यालय में स्वस्थ भारत–नशा मुक्त भारत मुख्य विषय पर महाविद्यालय स्तरीय चार्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 109 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना था। विद्यार्थियों ने अपने चार्टों के माध्यम से नशा मुक्त समाज, स्वस्थ शरीर, सकारात्मक सोच और उज्ज्वल भविष्य का सशक्त संदेश प्रस्तुत किया। रंगों, चित्रों और प्रभावशाली नारों के माध्यम से प्रतियोगिता अत्यंत जागरूकतापूर्ण एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुई।

परिणाम:

- ✓ विद्यार्थियों में नशा मुक्त जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हुआ।

- ✓ स्वास्थ्य एवं सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई।
- ✓ प्रतिभागियों की रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन हुआ।
- ✓ नशे के दुष्परिणामों का संदेश महाविद्यालय परिसर में व्यापक रूप से प्रसारित हुआ।
- ✓ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास एवं सामाजिक सरोकार की भावना प्रबल हुई।
- ✓ महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत अभियान को नई ऊर्जा एवं गति प्राप्त हुई।

एन्टी ड्रग समिति द्वारा आयोजित 'चार्ट प्रतियोगिता' में प्रतिभाग करते छात्र-छात्राएं के साथ उपस्थित प्राचार्य एवं प्राध्यापक

हल्द्वानी
बुधवार
11 जून 2025
03

शहर 30s

सिंह, डॉ. बीपी जोशी, डॉ. हेमलता पायर, डॉ. कैलाश टोलिया आदि मौजूद रहे।

चार्ट बनाकर नशा मुक्ति का संदेश दिया

थल। मुवानी के राजकीय महाविद्यालय में नशामुक्ति को छात्र-छात्राओं के बीच चार्ट प्रतियोगिता हुई। मंगलवार को प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. गिरीश चंद्र पंत ने किया। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणाम बताए और जीवन में नशा न करने की अपील की। प्रतियोगिता में कुल 109 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। पहले तीन स्थान पर रहे विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यहां कार्यक्रम संयोजक डॉ. रुपेश कुमार, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. सुधीर कुमार, राजकमल किशोर, डॉ. नीमा जोशी, डॉ. भावना रहे।

हिन्दुस्तान : 11 जून 2025

अमर उजाला : 15 जून 2025

चार्ट प्रतियोगिता के विजेता हुए सम्मानित

नशा मुक्ति अभियान के दौरान मौजूद छात्र-छात्राएं। संवाद

मुवानी (पिथौरागढ़)। राजकीय महाविद्यालय में नशा मुक्ति अभियान के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। नौ जून से 14 जून के मध्य चार्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने रैली के माध्यम से लोगों को नशे से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी। प्रतियोगिता में बीए द्वितीय सेमेस्टर से विनीता सोनार ने प्रथम, राहुल प्रसाद ने द्वितीय और मोनिका ने तीसरा स्थान पाया। चतुर्थ सेमेस्टर से मीनाक्षी ने प्रथम, नवलजीत ने दूसरा और प्रियंका प्रीति सोनार ने तीसरा स्थान पाया। प्राचार्य डॉ. गिरीश चंद्र पंत ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. रूपेश कुमार, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. सुधीर कुमार, राजकमल किशोर, डॉ. नीमा जोशी, डॉ. भावना, अलका जोशी, धर्म सिंह, अंशुल कुमार आदि उपस्थित रहे। संवाद

गतिविधि 8: महाविद्यालय स्तरीय वेबिनार
मुख्य शीर्षक: "नशीली दवाओं के दुरुपयोग का समाज पर प्रभाव"

- **संयोजक: डॉ० रुपेश कुमार**
- दिनांक: 16 जून 2025
- प्रकृति: शैक्षणिक, साहित्यिक और जन-जागरूकता
- सह-आयोजक: डॉ० सुधीर कुमार
- स्थान: महाविद्यालय
- प्रतिभागी संख्या: 49 (विविध)

उद्देश्य:

- ❖ विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से उत्पन्न सामाजिक, पारिवारिक एवं नैतिक पतन के प्रति जागरूक करना।
- ❖ नशे के कारण समाज में बढ़ते अपराध, हिंसा, बेरोज़गारी एवं सामाजिक विघटन के दुष्परिणामों को स्पष्ट करना।
- ❖ युवाओं में नशा-विरोधी सकारात्मक सोच विकसित कर उन्हें जिम्मेदार व जागरूक नागरिक बनने हेतु प्रेरित करना।
- ❖ नशीली लत से मुक्ति के लिए उपलब्ध सामाजिक, शैक्षणिक एवं कानूनी उपायों की जानकारी प्रदान करना।
- ❖ विद्यार्थियों को नशा-मुक्त समाज निर्माण में सक्रिय सहभागिता और जन-जागरूकता का संवाहक बनाने हेतु प्रेरित।

संक्षिप्त विवरण:

महाविद्यालय में नशीली दवाओं के दुरुपयोग का समाज पर प्रभाव मुख्य शीर्षक पर आधारित एक प्रभावशाली वेबीनार का आयोजन किया गया। इस वेबीनार में कुल 49 विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा समाज पर इसके व्यापक प्रभाव को समझाना था। वक्ताओं द्वारा नशे से उत्पन्न सामाजिक अव्यवस्था, पारिवारिक विघटन, अपराध वृद्धि एवं युवाओं के भविष्य पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों पर सारगर्भित प्रकाश डाला गया। वेबीनार के माध्यम से विद्यार्थियों में नशाविरोधी चेतना का विकास हुआ -

मुक्त समाज के-और उन्हें नशानिर्माण हेतु जागरूक व जिम्मेदार भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

परिणाम:

- ✓ विद्यार्थियों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग से समाज पर पड़ने वाले गंभीर दुष्परिणामों की स्पष्ट समझ विकसित हुई।
- ✓ प्रतिभागी विद्यार्थियों में नशा-विरोधी जागरूकता एवं सकारात्मक सोच का सुदृढ़ विकास हुआ।
- ✓ युवाओं ने नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।
- ✓ विद्यार्थियों को नशा-निवारण से जुड़े सामाजिक एवं कानूनी उपायों की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।
- ✓ वेबीनार के माध्यम से नशा-मुक्त समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की भावना विद्यार्थियों में प्रबल हुई।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित ‘Online वेबिनार’ में प्राचार्य महोदय की गरिमामय उपस्थिति

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित ‘Online वेबिनार’ में प्रतिभागी

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित 'Online वेबिनार' में प्रतिभागी

दिनांक – 16 जून 2025

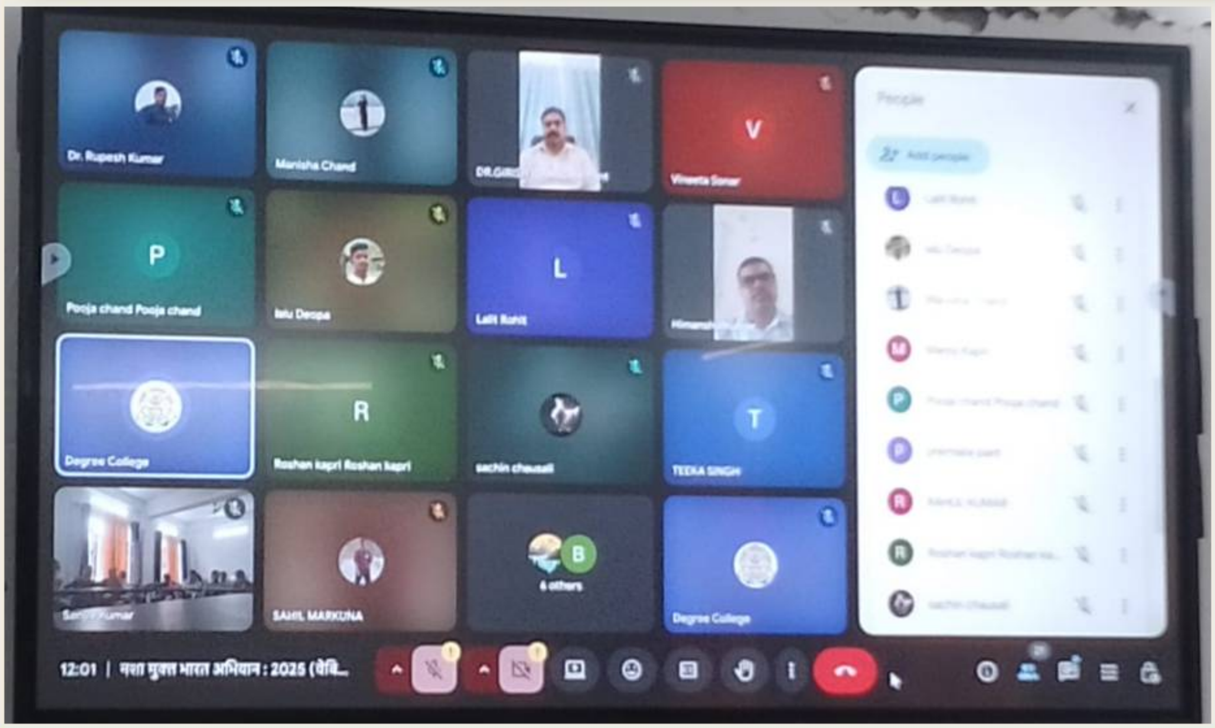

गतिविधि 9: हस्ताक्षर अभियान तथा शपथ ग्रहण कार्यक्रम
मुख्य शीर्षक: “विकसित भारत का मंत्र, भारत हो नशे से मुक्त”

- **संयोजक: डॉ० रुपेश कुमार**
- **सह-संयोजक: डॉ० संजीव कुमार**
- दिनांक: 23 जून 2025
- प्रकृति: जन-जागरूकता
- स्थान: महाविद्यालय
- प्रतिभागी संख्या: 76 (विविध) कुल 89

उद्देश्य:

❖ विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता एवं संवेदनशीलता का विकास करना।

❖ नशा मुक्त भारत के राष्ट्रीय संकल्प को जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान करना।

❖ हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से नशा विरोधी विचारधारा को व्यक्तिगत प्रतिबद्धता से जोड़ना।

❖ शपथ ग्रहण द्वारा युवाओं में आत्मसंयम, नैतिक बल एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति दृढ़ संकल्प उत्पन्न करना।

❖ महाविद्यालय परिसर को नशा मुक्त, अनुशासित एवं सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण के रूप में विकसित करना।

❖ विद्यार्थियों को समाज में नशा उन्मूलन के प्रेरक, जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना।

संक्षिप्त विवरण:

महाविद्यालय में विकसित भारत का मंत्र – भारत हो नशे से मुक्त शीर्षक के अंतर्गत हस्ताक्षर अभियान एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु प्रेरित करना था। हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से प्रतिभागियों ने नशे के विरुद्ध अपनी सामाजिक एवं नैतिक प्रतिबद्धता व्यक्त की, वहीं शपथ ग्रहण के माध्यम से स्वस्थ, अनुशासित एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने महाविद्यालय परिसर में नशा विरोधी चेतना को सुदृढ़ करते हुए युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित किया।

परिणाम:

- ✓ विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों के प्रति स्पष्ट जागरूकता विकसित हुई।
- ✓ हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से नशा विरोधी संकल्प को सामूहिक एवं सार्वजनिक समर्थन प्राप्त हुआ।
- ✓ शपथ ग्रहण से युवाओं में आत्मसंयम, नैतिक चेतना एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा मिली।
- ✓ महाविद्यालय परिसर में नशा मुक्त एवं अनुशासित वातावरण की दिशा में ठोस पहल सशक्त हुई।
- ✓ विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता की भावना विकसित हुई।
- ✓ नशा उन्मूलन को लेकर भविष्य में जागरूकता कार्यक्रमों एवं जनभागीदारी की निरंतरता का मार्ग प्रशस्त हुआ।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित 'हस्ताक्षर एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम' का शुभारम्भ करते प्राचार्य के शिक्षक और छात्र-छात्राएं ,महाविद्यालय परिवार

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित 'शपथ ग्रहण' करते छात्र-छात्राएं एवं महाविद्यालय परिवार

गतिविधि 10: महाविद्यालय स्तरीय प्रश्नमंजूषा प्रतियोगिता
मुख्य शीर्षक: "विकसित भारत का मंत्र, भारत हो नशे से मुक्त"

- **संयोजक: डॉ० रुपेश कुमार**
- दिनांक: 22 – 26 जून 2025
- प्रकृति: शैक्षणिक, बौद्धिक और जन-जागरूकता
- सह-आयोजक: कोई नहीं
- स्थान: महाविद्यालय (Online)
- प्रतिभागी संख्या: 91 (विविध)

उद्देश्य:

- ❖ विद्यार्थियों एवं युवाओं में नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता विकसित करना।
- ❖ नशा-मुक्त भारत के राष्ट्रीय संकल्प को बौद्धिक एवं वैचारिक रूप से सुदृढ़ करना।
- ❖ विकसित भारत के निर्माण में स्वस्थ, सजग एवं नशा-मुक्त नागरिकों की भूमिका को स्पष्ट करना।
- ❖ प्रश्नोत्तरी के माध्यम से प्रतिभागियों के ज्ञान, तार्किक क्षमता एवं त्वरित निर्णय क्षमता का विकास करना।
- ❖ डिजिटल माध्यमों के सकारात्मक एवं रचनात्मक उपयोग को प्रोत्साहित करना।
- ❖ सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हुए युवाओं को नशा-मुक्ति अभियान से सक्रिय रूप से जोड़ना।

संक्षिप्त विवरण:

विकसित भारत का मंत्र भारत और नशे से मुक्त :" मुख्य शीर्षक पर आधारित एक ऑनलाइन प्रश्न मंजूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा नशामुक्त भारत के संकल्प को बौद्धिक स्तर पर सुदृढ़ - करना था। प्रतियोगिता में नशीले पदार्थों के सामाजिक, मानसिक एवं शारीरिक प्रभावों, कानूनी प्रावधानों तथा नशामुक्ति अभियानों से संबंधित प्रश्न शामिल किए गए। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस - प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम ने युवाओं को स्वस्थ, जिम्मेदार एवं राष्ट्रनिर्माण में सहभागी नागरिक बनने हेतु प्रेरित किया।

परिणाम:

- ✓ विद्यार्थियों में नशे के दुष्परिणामों के प्रति स्पष्ट जागरूकता विकसित हुई।
- ✓ नशा-मुक्त भारत अभियान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का निर्माण हुआ।
- ✓ प्रतिभागियों के ज्ञान, तर्कशक्ति एवं सामान्य बौद्धिक क्षमता में वृद्धि हुई।
- ✓ डिजिटल मंच के रचनात्मक एवं शैक्षिक उपयोग को बढ़ावा मिला।
- ✓ युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रहित की भावना सुदृढ़ हुई।
- ✓ नशा-मुक्त एवं विकसित भारत के संकल्प को व्यवहारिक रूप से अपनाने की प्रेरणा मिली।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित ‘Online Quizzes’
दिनांक – 22 – 26 जून 2025

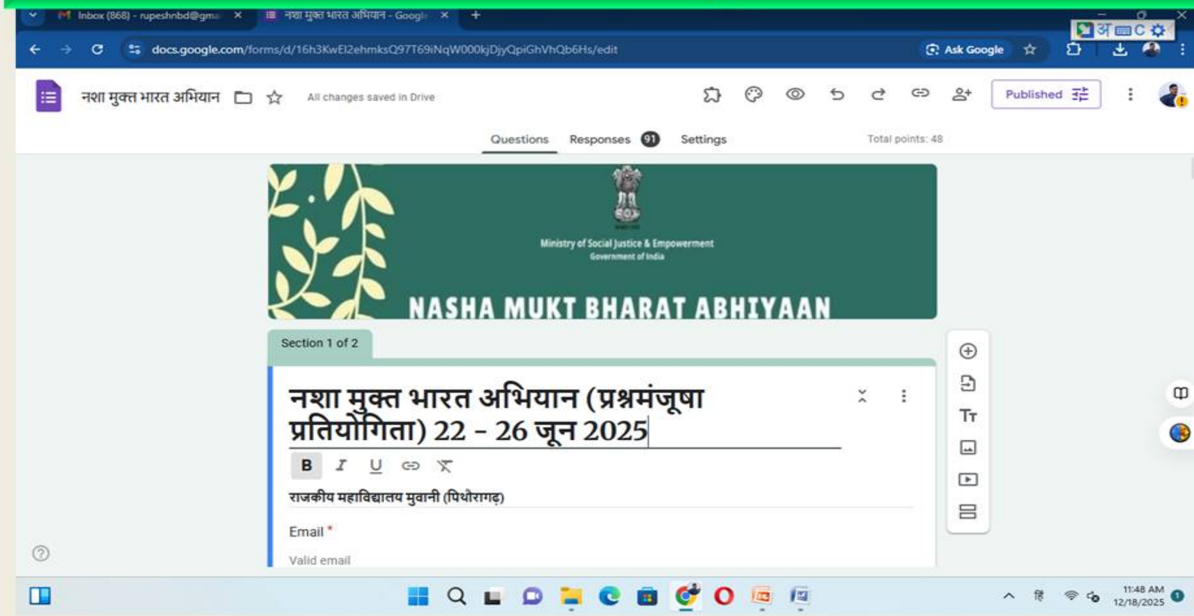

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित ‘Online Quizzes’ में प्रतिभागी
दिनांक – 22 – 26 जून 2025

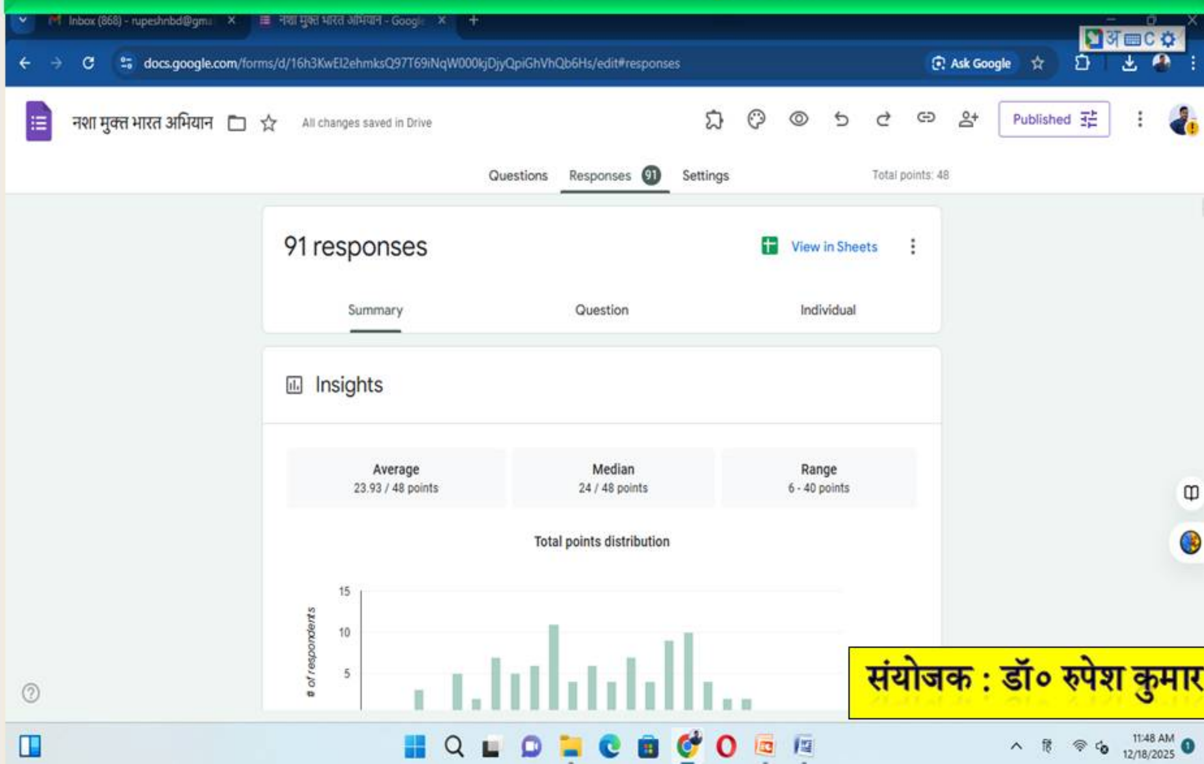

संयोजक : डॉ० रुपेश कुमार